आर्य समाज आन्दोलन में भाग लेने वाले व्यक्तियों के लिए पेंशन

1015. **श्री राम चन्द्र विकल :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हैदराबाद में आर्य समाज का सत्याग्रह आजादी से पहले आरम्भ हो गया था; यदि हां, तो कब ;

(ख) क्या इस सत्याग्रह में भाग लेने वाले व्यक्तियों को जेल भेजा गया था ;

(ग) क्या इसे सत्याग्रह में भाग लेने वालों को कोई पेंशन दी गई थी;

(घ) यदि हां, तो उनकी संख्या कितनी है ;

(ङ) क्या यह सच है कि कुछ व्यक्तियों को, जिन्होंने सत्याग्रह में भाग लिया था या पेंशन संबंधी लाभ अभी तक नहीं दिये गये हैं; यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(च) सरकार उन्हें कब तक पेंशन संबंधी लाभ देने का विचार रखती है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिन्तामणि पाणिग्रही) : (क) से (च) केन्द्रीय स्तर पर गैर-सरकारी सलाहकार समिति की सिफारिश पर स्वतंत्रता सेनानी सम्मान पेंशन योजना, 1980 के अधीन सम्मान पेंशन के प्रयोजन के लिए आर्य समाज आन्दोलन को राष्ट्रीय स्वतंत्रता संघर्ष के भाग के रूप में सरकार द्वारा हाल ही में मान्यता दी गई है। यह आन्दोलन 1938–1939 के दौरान हैदराबाद की तत्कालीन निजाम रियासत में हुआ था।

2. आर्य समाज आन्दोलन को मान्यता देने के सरकार निर्णय के परिणामस्वरूप आर्य समाज आन्दोलन के भागीदारों को यह नया अवसर दिया गया कि वे पेंशन के लिए अपने दावे 30 जून, 1986 तक पेश कर दें। आर्य समाज आन्दोलन से संबंधित यातनाओं का दावा करने वाले व्यक्तियों से निर्धारित समय में अर्थात् 30 जून, 1986 तक हमें 1265 आवेदन प्राप्त हुए हैं। आन्दोलन के भागदारों से प्राप्त आवेदनों की संवीक्षा के लिए सरकार ने केन्द्र में एक गैरसरकारी जांच समिति गठित करने का निर्णय लिया है। कुछ मामलों में जहां पेंशन के लिए आवेदन पत्र के साथ 1972 की योजना के अधीन सरकारी रिकार्ड पर आधारित दस्तावेजी साक्ष्य दिए गए थे, वे अस्वीकृत हो गए हैं, उन्हें आर्य समाज आन्दोलन मान्यता देने के बाद 1–8–1980 से पेंशन मन्जूर की जा चुकी है। ऐसे मामले जिनमें आवेदक सरकारी रिकार्ड के अनुपलब्ध होने के कारण आवेदन पत्र के साथ कई दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सकते, को आर्य समाज आन्दोलन से संबंधित जांच समिति की सिफारिशें प्राप्त होने पर अंतिम रूप दिया जाएगा।

Concentration of Sri Lankan refugees at Rameswaram

1016. SHRI SANTOSH BAGRODIA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state;

(a) whether it is a fact that due to concentration of Sri Lankan refugees in the Holy place of Rameswaram and thereby it has become very risky and difficult for pilgrims to visit Rameswaram;

(b) if so, whether Government propose to shift the refugees to another site to clear congestion from the Holy place; and

(c) if not, what steps Government propose to take to enable the pilgrims to visit the Holy place with safety and comfort?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI): (a) No, Sir. There is no refugee camp in Rameswaram. There is only a reception centre for Sri Lankan refugees where on arrival they stay for a day before moving to the camps.

(b) and (c) Do not arise.